Seventeenth Loksabha

>

Title: Request the government to calculate the number of farmer and given compensation to them that are missing in the list.

श्रीमती संध्या राय (भिंड): माननीय अध्यक्ष महोदय जी, आपने किसानों की पीड़ा यहां रखने का मुझे समय दिया, आपको मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं।

मेरे लोक सभा संसदीय क्षेत्र भिंड में चार विधान सभा क्षेत्र हैं। 29.02.2020 और 06.03.2020 ऐसे दिन थे, जिस दिन किसान पूरे खुशहाल थे। वहां पर सरसों और गेहूं की खेती इतनी अच्छी हो रही थी कि वहां के किसान सपने संजोकर रख रहे थे कि इस बार हम बच्चों को पढ़ाई के लिए बाहर भेज पाएंगे, बिटिया की शादी करेंगे और जो कर्ज है, उसे भी चुका देंगे, लेकिन दो दिनों तक वहां इतनी बारिश हुई और केवल बारिश ही नहीं, वहां पर सूखे ओले पड़े। उस ओले से पूरा क्षेत्र, चाहे वहां की गोहद विधान सभा हो, चाहे मेहगांव हो, चाहे अटेर हो, चाहे भिंड हो, चारों विधान सभा क्षेत्रों के किसानों को भारी नुकसान हुआ। मैंने भी 7 तारीख से लगातार चार दिनों तक वहां का दौरा किया। वहां का प्रशासन भी मेरे साथ था। प्रशासन ने भी यह माना कि वहां पर सरसों और गेहूं की 100 प्रतिशत फसल का नुकसान हुआ है। कहीं-कहीं पर चने की खेती का भी नुकसान हुआ है।

वास्तव में मेरे पास जो आकलन आया है, उसके अनुसार ओलावृष्टि से 55,249 हेक्टेयर कुल रकबा किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं। इसमें मुख्य रूप से गेहूँ और सरसों के फसल का 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है। हमारे जो किसान भाई-बहन हैं, उनकी कुल संख्या 77,591 है। लेकिन मैं मानती हूँ कि यह संख्या बहुत कम है। जब मैंने आकलन किया तो वहाँ इनकी संख्या और ज्यादा बढ़ गई है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से राज्य सरकार से निवेदन करती हूँ कि वहाँ जो किसान छूट चुके हैं, उनका सही तरह से आकलन हो और उनको मुआवजा

मिले।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल तथा श्री सी.पी. जोशी को श्रीमती संध्या राय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।